Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B. A. Philosophy (Semester: Fourth)

Philosophy

न्याय दर्शन

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. क्या आत्मा शरीरादि संघात से व्यतिरिक्त और नित्य है? सप्रमाण उत्तर दीजिए।
2. समाधि में आने वाले विघ्नों के नाश हेतु महर्षि गौतम क्या उपदेश देते हैं? समझाइये।
3. बुद्धि के स्वरूप, विभाग (भेद) और गुणों का विवेचन करें।
4. 'दोषनिमित्तानां तत्त्वज्ञानादहङ्कारनिवृत्तिः' – इस सूत्र की व्याख्या करें।
5. न्याय दर्शन के अनुसार इन्द्रियाँ भौतिक हैं अथा अभौतिक? प्रमाणपूर्वक लिखें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. 'शरीरगुण वैधर्म्यात्' – इस सूत्र का आशय स्पष्ट करें।
2. प्राप्तिसमा तथा अप्राप्तिसमा जातियों का स्वरूप बताते हुए उनका परिहार कीजिए।
3. दुःख के विविध प्रकारों का वर्णन करें।
4. संस्कार समाधि लाभ में किस प्रकार सहायक हैं? समझाइए।
5. न्याय दर्शन के चतुर्थ अध्याय का अध्ययन विषय स्पष्ट करें।
6. निग्रह स्थान से आपका क्या आशय है? इसके भेदों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

खण्ड–स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. न्याय दर्शन के अनुसार इन्द्रिय है/हैं .....
(अ) एक (ब) अनेक
(स) अ एवं ब दोनों (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. न्याय दर्शन में मुक्ति को कहा जाता है .....
(अ) कैवल्य (ब) अपवर्ग
(स) निर्वाण (द) मोक्ष

3. न्याय दर्शन के अनुसार जातियाँ कितनी हैं?
(अ) 24 (ब) 12
(स) 16 (द) 09

4. वीतराग का अर्थ है.....
(अ) योगाभ्यासी (ब) मुक्त पुरुष
(स) सामान्य पुरुष (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. पदार्थ कितने प्रकार के होते हैं?
(अ) पाँच (ब) सात
(स) नौ (द) तीन

6. न्याय दर्शन में विद्या के कितने प्रकार हैं .....
(अ) तीन (ब) चार
(स) आठ (द) पाँच

7. पंचभूत हैं .....
(अ) नित्य (ब) अनित्य
(स) नित्यानित्य (द) उपरोक्त सभी

8. न्याय दर्शन में ईश्वर है .....
(अ) कार्य (ब) कारण
(स) अ एवं ब दोनों (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

9. निग्रह स्थान का अर्थ है .....
(अ) तर्क करना (ब) अज्ञानता से चुप रह जाना
(स) ज्ञान प्राप्त होना (द) उपरोक्त सभी

10. न्याय दर्शन के पाँचवें अध्याय में कुल सूत्र हैं .....
(अ) 67 (ब) 65
(स) 72 (द) 63

----------X----------